SHIKSHAN MITTRA

GUIDE FOR VARITRA FIELD-TEAM

Varitra FOUNDATION
CULTIVATING SUSTAINABLE COLLABORATIONS

सूचि | CONTENTS

मेरा लर्निंग सेंटर
LEARNING CENTRE
3

हमारे मूल्य
VARITRA'S VALUES
4

क्लास कैसे लें
LESSON PLANNING
5

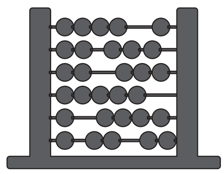

आओ बेहतर बनें
LEARNING ACTIVITIES
12

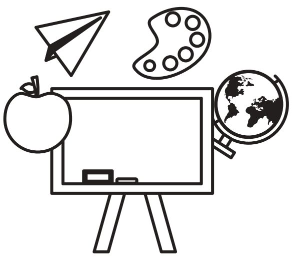

पढ़ाई से हटकर
ACTIVITY DAY
14

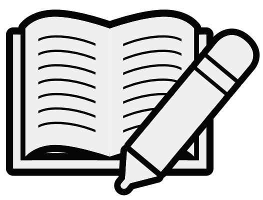

शिक्षण शैलियाँ
LEARNING STYLES
18

LEARNING CENTRE

OUR GOAL

ग्रामीण सरकारी स्कूलों के बच्चों के सीखने के स्तर को नए एवं प्रसंगिक सीखने के तरीकों से बढ़ाना

TARGET CHILDREN

चौथी व पांचवी कक्षा के बच्चे

INTRODUCTION

Varitra एक मुहीम पर निकला है जहां हम चाहते हैं कि हर बच्चे को समान एवं गुणवत्ता शिक्षा मिले ताकि कोई भी बच्चा पीछे न छूटे। वारित्रा लर्निंग सेंटर बच्चों के लिए एक सुरक्षित, सीखने का स्थान है। हमारा उद्देश्य बच्चों को उनकी उम्र के अनुसार गणित और अंग्रेजी के विषयों के प्रति उनकी समझ को मजबूत करना है। बच्चे के सीखने की गति पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाता है। हमारे सेंटर के बच्चों की साक्षरता और संख्यात्मक योग्यता को बढ़ाने के लिए आयु और ग्रेड-अनुसार नए-नए शिक्षण विधियों का उपयोग करते हैं। पिछले दो वर्षों से, वारित्रा ने अपने लर्निंग सेंटर प्रोग्राम के द्वारा से 630 से भी ज़्यादा बच्चों तक रेमेडियल शिक्षा का लाभ पहुंचाया है।

OUR VALUES | हमारे मूल्य ..

लर्निंग सेंटर अब आपका है और इसे सफल बनाने में आपकी निष्ठा और सहभागिता सर्वोपर है। वारित्रा लर्निंग सेंटर हमारी संस्था के इस बड़े अभियान का हिस्सा है | इसकी सफलता के लिए आपकी यथार्थता बहुत माईने रखती है ...

विश्वास

हम आपस में विश्वास और प्रतिबद्धता रखते हैं और ज्ञान, विचारों और जानकारी को लेकर हमेशा सच्चे और पारदर्शी रहते हैं।

संवेदना

हम भावनात्मक व बौद्धिक रूप से नेतृत्व करते हैं और अपने काम के ज़रिये एक बेहतर इंसान बनने का प्रयास करते हैं।

सम्मान व आपसी सहयोग

एक-दूसरे के प्रति सम्मान-पूर्वक व्यवहार रखते हैं और प्रत्येक व्यक्ति की विशिष्टता को पहचानते हैं और जहाँ आवश्यकता हो, एक-दूसरे की मदद करते हैं।

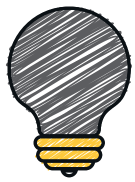

सीखना

हम खुद को बेहतर बनाने के लिए लगातार अपने आप को चुनौती देते हैं और नई चीजों को सीखने पर काम करते हैं और हमेशा सीखने के लिए तैयार रहते हैं।

कुछ कदम अपने सेंटर को बेहतर बनाने की ओर ..

SM BEHAVIOUR | व्यवहार/आचार

लर्निंग सेंटर बच्चों के लिए उनकी रोज़ की स्कूली कक्षा से अलग होना चाहिए। यह याद रखते हुए हमें कोशिश करनी चाहिए कि हम उनके प्रति अपने रवैये, बोल-चाल की भाषा और व्यवहार को ठीक रखें। आप बच्चों के साथ एक शिक्षक ही नहीं, बल्कि शिक्षा मित्र के रूप में घुल-मिल कर रहें।

REPORTING | रिपोर्टिंग

सभी ज़रूरी डाक्यूमेंट्स व् रिपोर्ट्स को नियमित रूप से पूरा करें। कृपया रिपोर्टिंग देते समय सही जानकारी दें । हमें प्रोग्राम को बेहतर बनाने के लिए हर सेंटर की सही व सटीक जानकारी मिलनी बहुत ज़रूरी हैं जिससे हम समय-समय पर ज़रूरी कदम उठा सकें।

DISCIPLINE | अनुशासन

सेंटर को समय पर शुरू एवं बंद करें। यदि आप छुट्टी ले रहे हैं तो समय से एक दिन पहले अपने वारित्रा प्रोग्राम ऑफिसर एवं साथी SM को बराबर सूचना दें। यदि आपको ऑफिस से सेंटर बंद रखने की सूचना मिलती है तो कृपया स्कूल जा कर बच्चों को स्पष्ट जानकारी दें। यदि किसी दिन सेण्टर बंद हैं और बच्चे इकठ्ठा हो जाते हैं तो इससे बच्चों की सुरक्षा को लेकर संस्था पर मुसीबत आ सकती है।

CURRICULUM | पाठ्यक्रम

वारित्रा के सभी 15 सेंटर एक ही प्रोग्राम का हिस्सा है और हम अपने सभी सेंटर के लिए एक जैसा पाठ्यक्रम बनाते हैं। यह पाठ्यक्रम बच्चों की उम्र, कक्षा और शिक्षा के स्तर को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। आपसे अनुरोध है कि इस पाठ्यक्रम को ध्यान से पढ़ें और दिए गए topics (विषयों) व क्रम के अनुसार ही सेंटर में पढ़ाएं। आप अपने विचार, कल्पना और सुझाव से नई-नई activities (एक्टिविटीज), पढ़ाने के नए तरीकों को लेकर बिना झिझक सेंटर में पहल कर सकते हैं। हमें ख़ुशी होगी अगर आप पढ़ाने के रचनात्मक तरीके ढूंढ़ते हैं जिससे आपका शिक्षण बेहतर बने और आपको पढ़ाने में आनंद आये।

RESPONSIBLE CONDUCT
ज़िम्मेदार व सचेत आचरण

फील्ड पर आपकी सुरक्षा हमारे लिए सबसे ज़रूरी है । विनम्र रहे, सतर्क रहे। कृपया अनजान लोगों से आवश्यक दूरी बनाये रखें। आपकी क्लास के समय बच्चों के अलावा किसी को सेंटर पर आने की अनुमति नहीं है। यदि आपको किसी भी तरह की सुरक्षा-सम्बन्धी समस्या आ रही हो तो आप वारित्रा टीम से तुरंत संपर्क कर सकते हैं । संस्था आपको काम से सम्बंधित या उचित कारण के बिना किसी भी व्यक्ति को कॉल या मैसेज करने को नहीं बोलेगा ।

NOTE

वारित्रा न ही सेंटर के लिए किसी भी बच्चे से कभी पैसे लेता है न ही किसी बच्चे को दंड देने की अनुमति देता है। SM से अनुरोध हैं कि सेंटर या गाँव में कभी भी कोई ऐसी बात न करें जिससे संस्था पर सवाल उठें। यदि आपको किसी भी बात को लेकर कोई सवाल या संदेह है, तो आप वारित्रा टीम को कभी भी संपर्क कर सकते हैं ताकि आपके पास पूरी जानकारी रहे।

LESSON PLANNING

लेसन प्लानिंग (पाठ योजना) शिक्षक के लिए रोडमैप होता है। बच्चो को क्या पढ़ाना है, कक्षा की निर्धारित अवधि और बच्चों के सीखने की गति के अनुसार उस विषय पर कितना समय देना है - यह लेसन प्लानिंग का पहला कदम होता है। विषय के ऊपर आप जो भी लर्निंग एक्टिविटी चुनते हैं, उसकी शिक्षण सामग्री को तैयार करना आवश्यक है।

लेसन प्लानिंग के तीन मुख्य अंक हैं -

- LEARNING OBJECTIVE/
  लर्निंग ऑब्जेक्टिव
  बच्चों को क्या पढ़ाना है?

- LEARNING ACTIVITIES/
  लर्निंग एक्टिविटीज
  बच्चों को किस प्रकार पढ़ाना है?

- ASSESSMENT/असेसमेंट
  पढ़ाने के बाद बच्चों को समझ आया या नहीं उसका आंकलन करना

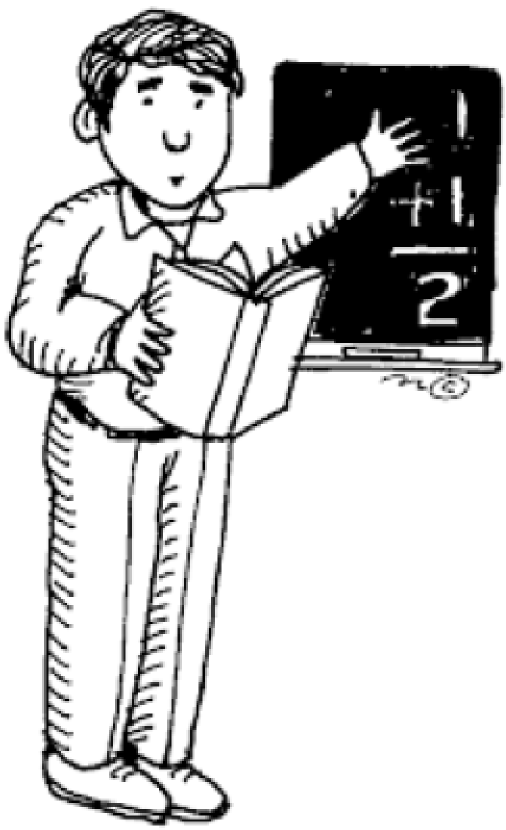

लर्निंग सेंटर को बेहतर बनाएं ...

KEEP A BALANCE

एक अच्छा सेंटर वही है जहाँ सीखना-सिखाना, खेल-कूद और आपस में बातें एवं अनुशासन - इन् सभी का सही संतुलन बना रहे। नियमित रूप से वक़्त निकाल कर बच्चों से अलग अलग विषय पर बात-चीत करें। बच्चें छोटी उम्र से ही किताब के साथ साथ दुनिया भी पढ़ने की रूचि रखते हैं।

आपकी सुविधा के लिए आपको एक लेसन-प्लान बुक दी गयी है। आप रोज़ शाम में अगले दिन की रूपरेखा तैयार कर लें और सेंटर में आधा घंटा पहले आ कर अपने सेशन की तैयारी करें। आपको रोज़ाना SM के लिए बनाये गए व्हाट्सप्प ग्रुप पर अपनी प्लानिंग की संक्षेप रूप से पोस्ट करनी है।

आप जो भी पढ़ाने वाले है, उसे लिख कर, हर भाग के लिए एक समय निश्चित करें। इससे आपके खुद के लिए एक टाइमर (time-limit) बना रहेगा और आप सेशन ज़्यादा अच्छे से पूरा कर पाएंगे।

CONNECT

सेंटर के पहले महीने कोशिश करें कि आप बच्चों के साथ जुड़ने और उन्हें सेंटर के प्रति उत्सुक व कम्फर्टेबले बनाएं । बहुत से बच्चों के लिए सेंटर और आप - दोनों नए हैं । उनके प्रति अपना संयम बनाये रखें ।

BE CLEAR

बच्चों के साथ सेंटर के नियमों को लेकर स्पष्ट रहे । उन्हें सेंटर पर समय से पहुंचना, attendance (अटेंडेंस) का समय और क्लास के दौरान शांत बैठने का महत्व समझाएं । अच्छे व्यवहार वाले बच्चों को शाबाशी दें। यदि सेंटर में कोई बच्चा क्लास को परेशान करता है, उससे अलग से समझाएं ।

LEARNING ACTIVITIES

Points to keep in mind while taking Learning Activities with children

एक्टिविटीज लेते समय ध्यान रखें ..

- कृपया हर एक Activity के निर्देशों को ध्यान से पढ़े, उसकी शिक्षण सामग्री/ material को पहले से तैयार रखें।

- बच्चों को activity के निर्देश / instructions साफ़ समझाना ज़रूरी है। इसके लिए एक बार एक्टिविटी को स्वयं practice कर लें । मुश्किल activity के निर्देश दोबारा दोहरायें।

- Activity के दौरान आपकी व बच्चों की energy – दोनो ही ज़रूरी है । बच्चों के उत्साहान को बढ़ावा दें ताकि वे ज्यादा से ज्यादा खुल कर भाग लें ।

- सही जवाब देने पर बच्चों को शाबाशी दें । इससे उनका आत्म-विश्वास बढ़ता है । ऐसा करने के लिए आप नए-नए तरीके खोज सकते हैं।

- आप activity के द्वारा ही बच्चों में मेलजोल और आत्म-विश्वास की भावना विकसित कर सकते हैं ।

यदि आपको किसी भी एक्टिविटी लेने में कठिनाई आ रही हो तो आपके लिए कुछ सुझाव:

- KEEP IT SIMPLE | सरल और आसान बनाएं

एक्टिविटी की रूप-रेखा बनाते समय उसे करने के तरीके/ विधि (STEPS) को अलग-अलग लिख लें।

- KNOW YOUR STRENGTH | अपनी क्षमता पहचानें

आप एक्टिविटी को कितने बच्चों के साथ आराम से करा सकते हैं - इसके आधार पर ग्रुप या जोड़ plan (प्लान) करें |

- READ AND EXPERIMENT | पढ़ें, जाने और परखें

आप इंटरनेट, किताबों एवं एक-दूसरे से एक ही एक्टिविटी को कराने के अलग-अलग तरीके ढूंढ सकते हैं |

- ASK FOR HELP | मदद लेने से हिचकिचाए नहीं

आप वारित्रा टीम में अन्य SM से या अपने प्रोग्राम ऑफिसर से मदद के लिए संपर्क कर सकते हैं|

ACTIVITY DAY

वारित्रा लर्निंग सेंटर बच्चो की पढाई की साथ साथ उनकी प्रतिभा और कला (Qualities, Skills and Talent) को उभारे और बढ़ावा दें। इसके लिए सप्ताह में एक दिन पढ़ाई से अलग केवल एक्टिविटीज के लिए रखा गया है ।

खेलना बच्चों के सीखने की क्षमता को बढ़ाने, याद रखने और प्रक्रिया का आनंद लेने में मदद करता है। खेलने से बच्चे कई महत्वपूर्ण बातें सीखते हैं जैसे -

- कारणों को समझना / to reason
- तर्क का उपयोग करना / to use logic
- योजना बनाना / to plan
- अन्य लोगों के साथ काम करना / working with others
- कभी नेतृत्व करना तो कभी पालन करना / to lead or follow
- जीतना / हारना और हाथ मिलाना एवं प्रतियोगिता के बाद फिर से एक हो जाना / sportsmanship, fellowhsip and team spirit

हर __________ (specify day) को सेंटर पर Activity Day (एक्टिविटी डे) रखा गया है जहां SM किसी भी तरह की activities ले सकते हैं जिससे बच्चे मज़े करने के साथ-साथ अपने आपको व्यक्त कर पाएं और अपने आत्मविश्वास को बढ़ाएं। यह एक्टिविटीज क्लास के अंदर, बाहर या गाँव में किसी सार्वजनिक स्थान - कहीं भी कराई जा सकती हैं।

SM के लिए कुछ सेंटर लेवल Activities के सुझाव -

1. Art and Craft
2. Letter-writing
3. Best out of waste
4. Quiz
5. Drama / Skit
6. Imaginative Play
7. Extempore
8. Singing & Dancing
9. Sports
10. Language-building activity

SM के लिए कुछ गांव लेवल Activities के सुझाव

Cleanliness Drives
सफाई अभियान

Children’s Awareness Rally / बच्चों द्वारा सामाजिक मुद्दों पर रैली

Tree-plantation
वृक्षारोपण

Nature Walk
प्रकृति की सैर/अध्ययन

Know your village
अपने गाँव को जानें

Celebrating festivals
& important days
महत्वपूर्ण दिन और त्यौहार

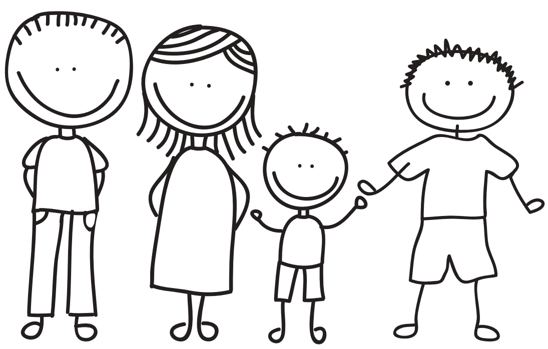

शिक्षण शैलिओं के प्रकार ...

शिक्षा का सर्व प्रथम उद्देश्य ही सीखना है .....

सीखना नए ज़ान, व्यवहार और आदतों को ग्रहण करने की क्रिया है। साथ ही मौजूदा ज़ान, व्यवहार, मूल्यों और कौशल को मजबूत करना भी सीखना ही कहलाता है।

हर छात्र के पढ़ाई करने व समझने का तरीका अलग-अलग होता है। यह ज़रूरी है कि हम छात्रों के सीखने के सही तरीके को समझे और उस आधार पर उनके साथ काम करें जिससे वे आसानी से सीख सकें।

आइये, अलग-अलग तरह की शिक्षण शैलियों के बारे में जानते हैं ...

PHYSICAL LEARNERS

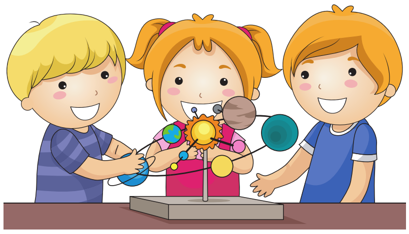

ऐसे छात्र जिनको किसी भी चीज़ को समझने के लिए प्रैक्टिकल एक्सपेरिमेंट्स की ज़रूरत पड़ती है। ऐसे छात्र किसी भी टॉपिक को लेक्चर के ज़रिए उतनी अच्छी तरह नहीं समझ सकते जितनी जल्दी वह प्रैक्टिकल उदाहरणों के जरिये समझ पाते हैं।

इस तरह के छात्र लैबस या क्लास रूम के बाहर एक्टिविटी के ज़रिये अच्छा परफॉर्म करते हैं। इसीलिए ऐसे छात्रों को हमेशा प्रैक्टिकल तरीके से टॉपिक को रिलेट करके समझना चाहिए, जिससे उन्हें पढ़ने में भी आसानी होगी और कोई भी टॉपिक अच्छी तरह समझ भी आएगा।

AUDITORY LEARNERS

ऑडिटरी या ओरल लर्नर किसी भी टॉपिक को समझने के लिए उसे सुन कर समझना पसंद करते हैं। जैसे कि क्लास रूम के लैकचर से, किसी स्पीच से, ऑडियो के फॉर्म में या अन्य किसी मौखिक बातचीत के ज़रिए।

ऐसे छात्र जिनको खुद से किताबें पढ़ के समझने की जगह सुन कर जल्दी और अच्छी तरह समझ आता है उनको हमेशा यह प्रयास करना चाहिए कि वह अपने विषय से जुड़ी टॉपिक्स पर ऑडियो सुन कर समझें, या आप अपने टीचर के जरिये पढ़ाए गए लेक्चर को भी रिकॉर्ड कर सकते हैं ताकि जब आप उस टॉपिक को दुबारा पढ़ें या रिविज़न करे तो टीचर द्वारा समझाए टॉपिक को सुनकर अच्छी तरह समझ सकें। इसके लिए आज कल ऐसे कई ऑनलाइन साइट्स भी हैं जहाँ से आप मदद ले सकते हैं।

VERBAL LEARNERS

वर्बल या मौखिक लर्निंग में छात्रों के लिए सुनना, बोलना और ग्रुप में मिलकर सीखना प्रभावशाली है। शुरूआत में अपने नोट्स को ज़ोर से पढ़ना और अपने स्वयं के मौखिककरण के माध्यम से बच्चों को आसानी से टॉपिक समझ व याद हो जाता है। अपने सहपाठियों के साथ समूह में पढ़ना जिसमें वे एक-दूसरे को बोल व समझाकर सीखाने से ऐसे छात्रों को बहुत फायदा मिलता है। इसके अलावा, प्रत्येक पाठ के बाद अपनी पाठ्यपुस्तक को पढ़ने से भी इन्हें मदद मिलती है।

टॉपिक को चित्रों और एक्टिविटीज का उपयोग करके उस पर बातचीत करने से उस टॉपिक को सीखाने की कोशिश भी की जा सकती है।

VISUAL LEARNERS

ऐसे छात्र जिन्हें किसी भी विषय को समझने के लिए लिखित (टेक्स्ट) फॉर्मेट की जगह विडियो और चित्र के द्वारा जल्दी समझ आता है, ऐसे छात्रों को विजुवल लर्नर कहते हैं। ऐसे छात्रों को हमेशा अपने नोट्स तैयार करते समय ज्यादा से ज्यादा डायग्राम और फ्लो चार्ट की मदद लेनी चाहिए। यदि आपको कोई टॉपिक समझने में परेशानी हो रही है तो आप उससे सम्बंधित विडियो भी देख कर बड़े आसानी से टॉपिक को समझ सकते हैं।

विजुअल लर्नर जैसे छात्रों को हमेशा टेक्स्ट फॉर्मेट वाले टॉपिक को समझने के लिए छोटे- छोटे कांसेप्ट स्टोरी तथा डायग्राम का इस्तेमाल करना चाहिए।

SOCIAL LEARNERS

सोशल लर्नर वाले छात्र को ग्रुप स्टडी की प्राथमिकता देनी चाहिए। ऐसे छात्रों को अकेले पढ़ने की बजाये ग्रुप में पढ़ना ज्यादा पसंद आता है। ऐसे छात्रों के साथ कोशिश करनी चाहिए कि जब भी उन्हें कोई टॉपिक समझ नहीं आ रहा हो वह अपने दोस्तों से उस टॉपिक पर चर्चा करें।

अपने क्लास के कुछ छात्रों के साथ एक स्टडी ग्रुप बना कर हर एक टॉपिक को पढ़ने के बाद उस पर मिलकर चर्चा करें ताकि वह टॉपिक अच्छी तरह समझ आ जाए। यह तरीका भी उस विषय को समझने और याद रखने में प्रभावशाली साबित हो सकता है।

SOLITARY LEARNERS

सोशल लर्नर्स के विपरीत कुछ ऐसे भी छात्र होते हैं जिनको ग्रुप की जगह अकेले पढ़ना ज्यादा पसंद होता है। यदि सोलिटरी लर्नर्स को आप ग्रुप स्टडी के लिए बोले तो उनके लिए यह संभव नहीं होगा कि वह सबके साथ बैठ कर किसी भी टॉपिक को उतनी अच्छी तरह समझ सकें जितना की वह अकेले शांत जगह बैठ कर पढ़ सकते हैं।

यह कोशिश करनी चाहिए कि ऐसे छात्रों को पढ़ते समय एकांत में पढ़ने की जगह दी जाए जिससे वे बेहतर ढंग से सीख सकें व उसे याद रख सकें।

CONTACT US

varitrafoundation@gmail.com

varitrafoundationofficial@gmail.com

+91 9167123649 | +91 9996111923

@varitra foundation | @E-पाठन by varitra

Varitra
FOUNDATION
CULTIVATING SUSTAINABLE COLLABORATIONS